6. निम्नलिखित में से किसी **एक** सूक्तियों की व्याख्या कीजिए :

(i) स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं विनिश्चि तार्थामितिवाचमाददे।

(ii) हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** शब्द के समस्त वचनों एवं समस्त विभक्तियों में रूप लिखिए :

(i) इदम् शब्द पुल्लिङ्ग।

(ii) गुरु शब्द।

8. निम्नलिखित सूत्रों में से किसी **एक** सूत्र की व्याख्या कीजिए :

(i) मुखनासिकावचनोऽनुनासिकः।

(ii) यश्च निर्धारणम्।

235

SA–02

June/December – Examination 2020

B.A. (Part I) Examination

SANSKRIT

भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

Paper : SA-02

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

Note :– The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **7×2=14**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer all questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 2 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) 'आतपत्र भारवि' से क्या आशय है ?

   (ii) 'बृहत्त्रयी' किसे कहते हैं ?

   (iii) 'लक्ष्य-लक्षणे व्याकरणम्' में लक्ष्य तथा लक्षण किसे कहा गया है ?

   (iv) प्रत्याहारों का निर्माण किस सूत्र से होता है ?

   (v) चतुराश्रमों के नाम लिखिए।

   (vi) उपाध्याय किसे कहते हैं ?

   (vii) युध् धातु लृट् लकार उत्तम पुरुष एकवचन का रूप लिखिए।

Section–B 4×14=56

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 14 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

   (i) तदाशु कर्तुं त्वयि जिह्ममुद्यते विधीयतां तत्र विधेयमुत्तरम्।
   परप्रणीतानि वचांसि चिन्वतां प्रवृत्तिसाराः खलु मादृशां गिरः॥

   अथवा

   (ii) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न यः संशृणुते स किंप्रभुः।
   सदाऽनुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः॥

3. निष्क्रमण संस्कार को स्पष्ट कीजिए।

4. 'वर्ग चतुष्ट्य' किसे कहा जाता है ? 'मोक्ष' को संक्षेप में समझाइये ।

5. 'ऋषि ऋण' पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए ।